श्रेष्ठ समाज के लिए नैतिक, आध्यात्मिक एवं मानव मूल्य प्रेरित

EDUCATION WING, R.E.R.F.
WISDOM FOR A NEW WORLD

शिक्षा दर्पण

शिक्षा प्रभाग की त्रैमासिक समाचार पत्रिका | मार्च 2026 | ब्रह्माकुमारीज़, माउण्ट आबू (राज.)

1

2

1. **नई दिल्ली।** ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग द्वारा डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित शिक्षकों का राष्ट्रीय महासम्मेलन **'विश्व एकता और विश्वास हेतु नई शिक्षा'** सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव डॉ. ब्र. कु. मृत्युंजय, दिल्ली हरिनगर की निदेशिका डॉ. ब्र. कु. शुक्ला, युवा प्रभाग की अध्यक्षा ब्र. कु. चन्द्रिका, प्रेरक वक्ता ब्र. कु. शिवानी, प्रो. टी.जी. सीताराम (अध्यक्ष, AICTE) सहित देशभर से आए लगभग 500 शिक्षाविदों की गरिमामयी सहभागिता रही।
2. **नई दिल्ली।** ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग द्वारा डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित शिक्षकों के राष्ट्रीय महासम्मेलन में **GROW Online Counselling Program** की Launching हुई। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के उद्योग मंत्री तथा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव मनजिंदर सिंह सिरसा, डॉ. ब्र. कु. मृत्युंजय, डॉ. ब्र. कु. शुक्ला, ब्र. कु. चन्द्रिका आदि उपस्थित रहे।

परामर्श दाता
राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय
अतिरिक्त महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग
राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू
उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग
राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला
उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग

कार्यकारिणी
राजयोगिनी ब्र.कु. सुमन
राष्ट्रीय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि
निदेशक, मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा कोर्स
ब्र.कु. शिविका
मुख्यालय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. आर.पी. गुप्ता
मुख्यालय संयोजक, मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम

प्रधान सम्पादक
डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, अहमदाबाद, गुजरात

सह सम्पादक और डिजाइनिंग सेटिंग
ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन, आबू रोड

प्रकाशक
एज्यूकेशन विंग (RERF) एवं ब्रह्माकुमारीज़

प्रकाशन
ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन, आबू रोड

निवेदन

शिक्षा प्रभाग के सेवा समाचार फोटो सहित तथा स्व-रचित कविता, गीत, लेख इत्यादि **एज्यूकेशन ऑफिस, आनंद भवन, शान्तिवन, आबू रोड** के पते पर भेजकर अपना सहयोग प्रदान करें।

डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग,
सुख शान्ति भवन (अहमदाबाद)

educationwing@bkivv.org
+91 94140-03961 / +91 94263-44040
Join WhatsApp Group:
www.bkinfo.in/edu

अमृत सूची

- **सम्पादकीय -**
  भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति
- मूल्य शिक्षा को अपनाने की आवश्यकता
- विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां
- **'विश्व एकता और विश्वास हेतु समग्र शिक्षा'** पर राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन सम्पन्न
- Empowering Educators for Enlightening the Society
- माननीय वीआईपीज़ के साथ स्नेह और सद्भावपूर्ण मुलाकात

सम्पादकीय

भारतीय ज्ञान परंपरा और मूल्य

डॉ. ब्र.कु. ममता शर्मा

भारतीय संस्कृति का मूल आधार ही भारतीय ज्ञान परंपरा है। भारतीय ज्ञान परंपरा भारतवर्ष में प्राचीन काल से चली आ रही शिक्षा प्रणाली है। इसके अंतर्गत वेद, वेदांग, उपनिषद, श्रुति, स्मृति से लेकर विभिन्न प्रकार के दर्शनशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, नाट्यशास्त्र, प्रबंधन एवं विज्ञान की विभिन्न विद्याशाखाओं के अथाह ज्ञान भंडार समाहित हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत शिक्षा को विद्या, ज्ञान, दर्शन, प्रबोध, प्रज्ञा, वागीशा एवं भारती आदि शब्दों से परिभाषित किया गया है। भारतीय ज्ञान प्रणाली के स्वर्णिम इतिहास का अध्ययन करने पर यह ज्ञात होता है कि प्राचीन समय में इस परंपरा का अभीष्ट उद्देश्य ज्ञान की प्राप्ति करते हुए विद्यार्थी के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना तथा उसे समाजोपयोगी एवं मोक्षगामी बनाना था।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रज्ञा का प्रतीक है, जिसमें ज्ञान एवं विज्ञान, लौकिक एवं परलौकिक, कर्म एवं धर्म तथा भोग और त्याग का अद्भुत समन्वय रहा है। इस प्रकार प्राचीन समय से ही शिक्षा के प्रति भारतीय ज्ञान परंपरा का दृष्टिकोण अत्यंत व्यापक एवं सूक्ष्म रहा है। भारतीय ज्ञान परंपरा में मूल्य-आधारित शिक्षा नैतिक और सामाजिक चेतना से व्यक्तियों के पूर्ण निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। भारत में शिक्षा की अवधारणा केवल ज्ञान प्राप्त करने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सत्य, अहिंसा, धर्म और निःस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देने पर केंद्रित रही है, जो देश के आध्यात्मिक और सामाजिक ताने-बाने का अभिन्न अंग हैं।

गुरुकुल मॉडल ने उपनिषदों और गीता में वर्णित जीवन-मूल्यों को व्यापक दृष्टिकोण के साथ संरेखित करते हुए आंतरिक ज्ञान, चरित्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी विकसित करने के साधन के रूप में सीखने पर जोर दिया। मूल्य-आधारित शिक्षा सदियों पुरानी शिक्षा को एकीकृत करके न केवल शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देती है, बल्कि ऐसे व्यक्तियों के निर्माण को भी प्रोत्साहित करती है जो विविधता का सम्मान करते हैं, न्याय को बनाए रखते हैं और समाज में सकारात्मक योगदान देते हैं। वर्तमान समय में यह दृष्टिकोण मानवाधिकार और सामाजिक समानता जैसे मुद्दों की नैतिक समझ को भी बढ़ावा दे सकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व में अपनी गहनता, व्यापकता और समग्रता के लिए प्रसिद्ध है। यह परंपरा केवल सूचनाओं के एकत्रीकरण भर नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य मनुष्य के व्यक्तित्व का ऐसा विकास करना है, जो उसे जीवन के उच्च आदर्शों और मूल्यों के साथ जोड़ सके।

इस परंपरा में शिक्षा को जीवन का मूल आधार और आत्मा का परिष्कार माना गया है। भारतीय शिक्षा पद्धति में विद्या का अर्थ केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि सत्य, अहिंसा, धर्म, करुणा और मानवता जैसे शाश्वत मूल्यों को आत्मसात करना है। वेदों, उपनिषदों और गीता जैसे महान ग्रंथों में शिक्षा का उद्देश्य "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" के आदर्श को स्थापित करना बताया गया है। भारतीय चिंतन में शिक्षा को केवल व्यावसायिक दक्षता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्वपूर्ण जीवन जीने की कला माना गया है। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक और शिष्य का रिश्ता केवल ज्ञान-दाता और ज्ञान-ग्राही का नहीं, बल्कि चरित्र-निर्माण और मूल्य-स्थापन का रहा है।

आज के बदलते परिदृश्य में, जब नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है, भारतीय ज्ञान परंपरा में मूल्य-आधारित शिक्षा की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है। यह शिक्षा न केवल व्यक्तिगत विकास को दिशा देती है, बल्कि समाज में एकता, सहिष्णुता और शांति की स्थापना में भी सहायक होती है।

मूल्य-आधारित शिक्षा का उद्देश्य केवल भौतिक सफलता अर्जित करना नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और आत्मबोध के माध्यम से मानवता की सेवा करना है। ऋग्वेद के समय से लेकर अब तक हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली विकसित हुई है और व्यक्ति के आंतरिक तथा बाह्य दोनों पहलुओं का ध्यान रखते हुए उसके समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस प्रणाली में जीवन के नैतिक, शारीरिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया है (NCERT, 2024-25)।

भारतीय ज्ञान परंपरा की यह धरोहर आज भी शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है और यह एक समृद्ध, समग्र एवं संतुलित समाज की नींव रखने में अहम भूमिका निभाती है। स्वामी विवेकानंद कहते हैं - "हम ऐसी शिक्षा चाहते हैं जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विस्तार हो और जिससे व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके।"

भारतीय परंपरा छात्रों को ऐसे चिंतनशील अभ्यासों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करती है जो व्यक्तिगत विकास को सामाजिक भलाई के साथ जोड़ते हैं। ऐसे में जब भारत अपनी वैश्विक उपस्थिति को मजबूत कर रहा है, मूल्य-आधारित शिक्षा पर पुनः जोर देकर भावी नेतृत्व का निर्माण किया जा सकता है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा और समकालीन आवश्यकताओं के बीच अंतरसंबंध स्थापित कर एक संतुलित और टिकाऊ वैश्विक समाज का निर्माण करेगा।

आधुनिक युग में पाश्चात्य प्रभाव के बाद इस ज्ञान परंपरा को शिक्षा और समाज के माध्यम से पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि एक संतुलित और टिकाऊ भविष्य का निर्माण हो सके।

मूल्य शिक्षा

मूल्य शिक्षा को अपनाने की आवश्यकता

आज का युग तेजी से बदलता हुआ युग है, जिसमें शिक्षा का अर्थ केवल ज्ञान अर्जन तक सीमित नहीं है। यह वह साधन है जो न केवल बच्चों को आत्मनिर्भर बनाता है, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करता है। ऐसे में, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और समाज के सतत विकास के लिए मूल्य शिक्षा (वैल्यू एजुकेशन) को अपनाने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

मूल्य शिक्षा क्यों है आवश्यक?

- **नैतिक पतन को रोकना:** आधुनिक समाज में भौतिकवाद और प्रतिस्पर्धा के बढ़ते प्रभाव के कारण नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। चोरी, भ्रष्टाचार, हिंसा और असहिष्णुता जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। मूल्य शिक्षा इन समस्याओं को जड़ से खत्म करने में मदद करती है।
- **व्यक्तित्व विकास:** मूल्य शिक्षा बच्चों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह उन्हें ईमानदारी, अनुशासन, सहिष्णुता और करुणा जैसे गुणों से संपन्न करती है।
- **परिवार की सुदृढ़ता:** परिवार किसी भी बच्चे का पहला स्कूल होता है। मूल्य शिक्षा उन्हें पारिवारिक रिश्तों का महत्व समझाती है और आपसी सम्मान एवं सहानुभूति की भावना विकसित करती है।
- **आत्म-अनुशासन और आत्म-सम्मान:** मूल्य शिक्षा से आत्म-अनुशासन और आत्म-सम्मान का विकास होता है। यह व्यक्ति को आत्म-निरीक्षण करने और सही दिशा में निर्णय लेने के लिए प्रेरित करती है।
- **समाज में सामंजस्य:** मूल्य शिक्षा बच्चों को समाज में सह-अस्तित्व और सहयोग के महत्व को समझने में मदद करती है। इससे वे सामाजिक जिम्मेदारियों को स्वीकार कर समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं।
- **राष्ट्र निर्माण:** नैतिक मूल्यों से संपन्न विद्यार्थी भविष्य में एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं। वे न केवल अपने अधिकारों को समझते हैं बल्कि अपने कर्तव्यों का पालन भी करते हैं।
- **मानवता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता:** आज के युग में पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वॉर्मिंग और मानवाधिकारों का हनन जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। मूल्य शिक्षा इन मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने और समाधान खोजने में सहायक हो सकती है।
- **आधुनिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता:** आज के युग में प्रतिस्पर्धा और तकनीकी युग में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मूल्यों पर खतरा बढ़ा है। मूल्य शिक्षा उन्हें इन चुनौतियों का सामना करने का आत्मबल देती है।

कैसे हो मूल्य शिक्षा का समावेश?

स्कूलों और कॉलेजों में मूल्य शिक्षा को एक अनिवार्य विषय के रूप में जोड़ा जाना चाहिए। शिक्षकों और अभिभावकों को बच्चों के सामने अच्छे आचरण और नैतिकता के उदाहरण प्रस्तुत करने चाहिए। बच्चों को समाज सेवा, सामूहिक कार्यों और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर प्रदान किए जाएं। स्कूलों और घर में ऐसा वातावरण बनाया जाए जो बच्चों को नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति प्रेरित करे। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि वे डिजिटल माध्यमों का उपयोग न केवल ज्ञानार्जन बल्कि समाज के लिए उपयोगी कार्यों में करें।

मूल्य शिक्षा न केवल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है बल्कि यह परिवार, समाज और देश के विकास का भी आधार है। आज, जब नैतिकता का पतन और सामाजिक समस्याएं बढ़ रही हैं, मूल्य शिक्षा की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण हो गई है। एक संतुलित, जिम्मेदार और सशक्त समाज के निर्माण के लिए हमें शिक्षा के इस पहलू को प्राथमिकता देनी होगी। शिक्षा प्रणाली में सुधार कोई एक दिन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक सतत प्रयास है। सरकार, शिक्षण संस्थान और समाज को मिलकर काम करना होगा ताकि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार मिल सके। एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए यह सुधार अत्यावश्यक है।

मूल्य शिक्षा बच्चों को अच्छे नागरिक बनाने के साथ-साथ सहानुभूति, करुणा और नैतिकता जैसे गुणों का विकास करती है। यह उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने और सही निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। बचपन से सही मार्गदर्शन मिलने पर वे समाज के लिए प्रेरणा बन सकते हैं। इससे हम एक सशक्त, खुशहाल और नैतिक समाज का निर्माण कर सकते हैं।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

शिक्षक दिवस के अवसर पर **'संस्कार और संस्कृति के ध्वजवाहक शिक्षक'** विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें रत्ना श्रीवास्तव (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा), के.के. श्रीवास्तव (प्रदेश अध्यक्ष), ब्र.कु. डॉ. श्याम रावत, यमेश चौधरी (CMD, नाइस कॉलेज), ब्र.कु. भावना, ब्र.कु. वर्षा सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

छतरपुर (म.प्र.)। महात्मा गांधी बालिका विद्यालय, गांधी आश्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा **नैतिक शिक्षा व चरित्र निर्माण** पर कार्यक्रम हुआ। ब्र.कु. कल्पना, ब्र.कु. नम्रता और ब्र.कु. मुस्कान ने बच्चों को आंतरिक स्वच्छता तथा शिक्षाप्रद गतिविधियाँ से अवगत कराया।

कोल्हार (महाराष्ट्र)। ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र में शिक्षक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। पूर्व मंत्री अण्णासाहेब म्हस्के पाटिल व ब्र.कु. विजया, ब्र.कु. स्वाती और ब्र.कु. सविता ने शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में शिक्षकों का सम्मान किया गया।

अलीराजपुर में शिक्षक दिवस संगोष्ठी का आयोजन **'नए भारत के नवनिर्माण में शिक्षकों की भूमिका'** विषय पर हुआ, जिसमें मुख्य वक्ता ब्र.कु. नारायण (इंदौर) के साथ डॉ. राकेश आवासीय (अलीराजपुर), अधिवक्ता राकेश राठौर (अलीराजपुर), सहायक आयुक्त संजय पोरवाल, प्रो. डॉ. जितेंद्र सिंह पचाया, प्राचार्य अंजू सिसोदिया, प्राचार्य नरेंद्र कुमार मालवी तथा ब्र.कु. सानिया ने मंच साझा कर अपने विचार प्रस्तुत किए।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

नाशिक (महाराष्ट्र)। ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग के सहयोग से नाशिक में आयोजित **काउंसिलिंग एंड मेंटल हेल्थ** कार्यशाला का शुभारंभ कुलगुरु डॉ. संजीव सोनवणे ने किया, जिसमें 150 शिक्षक शामिल हुए।

इंदौर (म.प्र)। शिक्षक दिवस पर **नए भारत के पुनर्निर्माण में शिक्षकों का योगदान** विषय पर कार्यक्रम हुआ, जिसमें ब्र.कु. पूनम, श्रीमती विजय शिंदे, ब्र.कु. नारायण आदि वक्ताओं ने संबोधित किया।

अंबिकापुर (छ.ग.)। शिक्षक दिवस पर **शिक्षक ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा के स्रोत** विषय पर आयोजित संगोष्ठी में ब्र.कु. विद्या ने शिक्षा में आध्यात्मिकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में 150 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

पानीपत (हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर में शिक्षक दिवस पर आयोजित शिक्षाविद सम्मेलन में मंत्री श्री रणबीर गंगवा, श्री राकेश बुरा, ब्र.कु. सुमन, ब्र.कु. सरला और ब्र.कु. भारत भूषण सहित अतिथियों ने शिक्षकों का सम्मान किया।

शांतिवन (आबू रोड)। जवाहर नवोदय विद्यालय के 250 विद्यार्थी ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय शांतिवन आए। उदयपुर से ब्र.कु. विजया बहन ने उन्हें पढ़ाई में एकाग्रता विषय पर संबोधित किया।

Shantivan (Abu Road)। A Train the Trainers cum Bhatti programme under the **LEAP (Leadership with Ethics, Awareness, and Purpose)** initiative was conducted at Shantivan from 16th to 20th June for Surrendered brothers and sisters along with serviceable instruments.

This interactive training conducted by BK Monica, Delhi, BK Ritu, Mumbai, BK Divya, ORC and BK Supriya, Shantivan equipped participants with key concepts and facilitation tools to carry forward the LEAP project across educational institutions and corporates. About 100 participants benefited from this training. Also bhatti sessions along with meditation were taken by BK Raju Bhai, BK Suraj Bhai and BK Rupesh Bhai.

करनाल (हरियाणा)। नीलोखेड़ी में शिक्षक दिवस कार्यक्रम में ब्र.कु. कविता ने शिक्षकों को समाज का निर्माता बताया। प्रो. टी.आर. मुदगिल, डॉ. सतपाल सिंह सहित कई स्कूलों के प्रिंसिपल व शिक्षक उपस्थित रहे।

करूर (तमिलनाडु)। ब्रह्माकुमारीज़ करूर ने **'आचार्य'** कार्यक्रम में 120 शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक विशेष अतिथि रहे। ब्र.कु. शारदा ने 'सुख हमारे हाथ में है' विषय पर प्रेरक संबोधन दिया।

शांतिवन (आबू रोड)। डॉ. बी.के. नागेश भाई को योगा यूनिवर्सिटी ऑफ द अमेरिकस, फ्लोरिडा, यू.एस.ए द्वारा आयोजित 9वें दीक्षांत समारोह में **"डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी इन स्पिरिचुअल साइंस" (Honorary Ph.D.)** की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह समारोह बंगलोर में 6 जुलाई 2025 को संपन्न हुआ।

यह सम्मान उन्हें मानवता की सेवा, आध्यात्मिक जागृति और ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग मेडिटेशन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। डॉ. बी.के. नागेश भाई ने वर्ष 2017 में राजयोगा मेडिटेशन में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की थी।

'विश्व एकता और विश्वास हेतु समग्र शिक्षा'
पर राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन सम्पन्न

संबलपुर (ओड़िशा)। शिक्षा प्रभाग द्वारा **'विश्व एकता और विश्वास के लिए समग्र शिक्षा'** विषय पर एक राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन का भव्य आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ पावन सरोवर, सम्बलपुर में किया गया।

इस अवसर पर ब्र.कु. पार्वती, निदेशिका, ब्रह्माकुमारीज़ सम्बलपुर सब-ज़ोन; ब्र.कु. सुमन, राष्ट्रीय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, माउंट आबू तथा प्रोफेसर ब्र.कु. मुकेश, योजना संयोजक, राजयोग थॉट लैब, जयपुर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में अमृत फाल्गुनी महान्ती, चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, IIM सम्बलपुर तथा प्रोफेसर सुशांत कुमार दास, कुलपति, गंगाधर विश्वविद्यालय मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ ब्र.कु. ज्योति के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने पश्चिम ओडिशा से पधारे शिक्षकों, अधिकारियों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं सेवाओं की जानकारी दी।

ब्र.कु. पार्वती ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा प्रदान करना सर्वोच्च सेवा है। चाहे कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह किसी न किसी शिक्षक से ही शिक्षा प्राप्त करता है। व्यक्ति के समग्र विकास के लिए भौतिक, शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक - चारों प्रकार की शिक्षा का समन्वय आवश्यक है।

प्रोफेसर सुशांत कुमार दास ने कहा कि आज की शिक्षा अनेक चुनौतियों के बीच अपने मूल उद्देश्य से भटकती जा रही है। शांति की स्थापना और चेतना की जागृति ही शिक्षा का वास्तविक लक्ष्य होना चाहिए।

अमृत फाल्गुनी महान्ती, IIM सम्बलपुर ने कहा कि मूल्य-आधारित शिक्षा ही स्वस्थ समाज निर्माण का सशक्त आधार है। ब्र.कु. सुमन ने विश्व एकता और विश्वास के लिए आध्यात्मिक ज्ञान का महत्व विषय पर अपने विचार साझा किए तथा ज्ञानयुक्त कर्म विषय पर एक प्रेरणादायक क्लास भी कराई।

प्रोफेसर ब्र.कु. मुकेश ने स्वयं का मूल्यांकन, सकारात्मक एवं नकारात्मक भावनाएँ तथा सहयोग का महत्व विषय पर एक घंटे का प्रेरणादायक सत्र लिया, जो सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत हृदयस्पर्शी रहा।

ब्र.कु. ज्योति ने सभी को राजयोग ध्यान का अनुभव कराया तथा ब्र.कु. दीपा ने कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए सुंदर योग गीत प्रस्तुत किया।

कुमारी प्रकृति ने अंग्रेज़ी भाषा में शिक्षा का महत्व विषय पर प्रभावशाली भाषण दिया। वहीं कुमारी मनस्वी, ईली, कृष्णा, इप्सा एवं सुप्रिया ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए।

इस राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में लगभग 250 शिक्षक, शिक्षिकाएँ, प्राध्यापक, शिक्षा अधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने सभी में आत्म-जागृति, मूल्य चेतना एवं सकारात्मक सोच का संदेश प्रसारित किया।

सम्मेलन के पश्चात दिनांक 10 और 11 नवम्बर 2025 तक सदस्य प्रतिभागियों एवं टीचर बहनों के लिए **फैकल्टी डेवलपमेंट ट्रेनिंग** आयोजित की गई। इसमें देश के विभिन्न प्रांतों से 50 प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षकों ने सहभागिता की।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में माउंट आबू से शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय

संयोजिका ब्र.कु. सुमन; योजना संयोजक, राजयोग थॉट लैब, जयपुर से प्रोफेसर ब्र.कु. मुकेश; ब्र.कु. चित्रा; ओ.आर.सी. दिल्ली से ब्र.कु. दिव्या तथा माउंट आबू से ब्र.कु. गिरीश ने प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया।

याद की यात्रा

बच्चों रे याद में बैठो, बाबा के पास जाना है
ना साथी है, ना जोड़ा है, वहाँ बुद्धि से जाना है।
बच्चों रे याद में बैठो...

तुम्हारी देह ये प्यारी, यहीं रह जाएगी न्यारी
वहाँ रूह जाएगी प्यारी, छूटेगी दुनिया ये सारी
डबल लाइट बनना है, डबल लाइट बनना है
बच्चों रे याद में बैठो...

बिंदु बन के जाना है, जा के बिंदु से मिलना है
रूहरिहान करना है, वो बेज़ुबान करना है
वाणी से परे हो जाना है, वाणी से परे हो जाना है
बच्चों रे याद में बैठो...

वहाँ के लाल प्रकाश में, बाबा के तेज़ सकाश में
साथ के अहसास में, बाबा के संग, आस में
भरपूर हो के आना है, भरपूर हो के आना है
बच्चों रे योग में बैठो...

फिर क्या? मामेकम याद करना है, बेफिक्र बादशाह बनना है
सतयुग में प्रारब्ध पाना है, देवता बनके आना है
जीवनमुक्ति पाना है, मुक्ति–जीवनमुक्ति पाना है
बच्चों रे योग में बैठो, बाबा के पास जाना है...

ब्र.कु. रानी बेन, मुंबई

किंग्सवे कैंप (दिल्ली)। ब्रह्माकुमारीज़, किंग्सवे कैंप द्वारा शिक्षक दिवस पर **'शिक्षक सम्मान समारोह'** आयोजित हुआ, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के 22 से अधिक कॉलेजों के प्रोफेसर, प्रिंसिपल्स तथा DUTA, DUWA और CSD के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। 'Empowering Educators for Enlightening the Society' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में शिक्षा और आध्यात्मिकता का सुंदर संगम देखने को मिला। सेवाकेंद्र प्रभारी ब्र.कु. साधना ने शिक्षक को राष्ट्र निर्माण की नींव बताते हुए परमात्मा शिव को 'सर्वोच्च शिक्षक' के रूप में परिचित कराया। विभिन्न अतिथियों ने शिक्षकों की मूल्य-आधारित भूमिका पर अपने विचार साझा किए और कई प्राचार्यों ने अपने कॉलेजों में 'राजयोग मेडिटेशन रूम' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।

कार्यक्रम में शिक्षकों के लिए विशेष गाइडेड राजयोग मेडिटेशन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और सम्मान सामग्री (पौधा, ब्लेसिंग कार्ड, डायरी, पेन व सम्मान-पत्र) प्रदान किए गए। शिक्षकों ने इसे एक अनोखा, आत्मिक और प्रेरणादायक अनुभव बताया, जिसने उन्हें गहरी शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

देहरादून (उत्तराखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर **'शिक्षक स्नेह मिलन'** कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 80 से अधिक शिक्षाविदों ने भाग लिया। डॉ. अश्विनी कम्बोज और ब्र.कु. मंजू ने शिक्षक मूल्यों, आत्मविकास व राजयोग के महत्व पर विचार रखे।

गुंजाबाड़ी (प. बंगाल)। सेवाकेंद्र में शिक्षक दिवस पर **सम्मान समारोह** आयोजित किया गया। प्रो. बिदुर जी (प्राचार्य, नेत्रहीन विद्यालय), प्रो. हिमांशु जी, अनंत कुमार नाथ जी, ब्र.कु. संपा तथा सहायक शिक्षिकाएं सिस्टर शेफाली, तपासी और सिप्रा जी उपस्थित रहीं।

सोलन (हि.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ में शिक्षक दिवस मनाया गया, जिसमें 150 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रमोद चौहान व ब्र.कु. सुषमा ने **'शिक्षा में आध्यात्मिकता'** के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में राज्य व राष्ट्रीय स्तर के शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

मथुरा, रिफाइनरी नगर (उ.प्र)। ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र द्वारा शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय क्षेत्र के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। ब्र.कु. कृष्णा और ब्र.कु. प्रमोद ने शिक्षा में नैतिक मूल्यों की भूमिका पर बल दिया।

1. **भोपाल (म.प्र)।** सुख शांति भवन में शिक्षक दिवस कार्यक्रम में शिक्षकों का सम्मान किया गया। ब्र.कु. नीता ने परमात्मा शिव को सर्वोच्च शिक्षक बताते हुए शिक्षा में आध्यात्मिक मूल्यों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।
2. **गाडरवारा (म.प्र)।** शिक्षक दिवस पर ब्र.कु. उर्मिला की उपस्थिति में सम्मान समारोह हुआ, जिसमें कई शिक्षाविद शामिल हुए।
3. **मंडला (म.प्र)।** शिक्षक दिवस पर सेवाकेंद्र में शिक्षकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्र.कु. ममता ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए **आध्यात्मिक शिक्षा की महत्ता** पर प्रकाश डाला। सभी शिक्षकों को अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया।
4. **नेहरू विहार (नई दिल्ली)।** ब्रह्माकुमारीज केंद्र पर शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में 100 से अधिक शिक्षक शामिल हुए। मुख्य अतिथि कैलाश शर्मा सहित कई विशिष्ट जन उपस्थित रहे। ब्र.कु. अनिता ने **शिक्षक की भूमिका** पर प्रकाश डाला।

नोएडा सेक्टर 51 (नई दिल्ली)। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में नोएडा के विभिन्न स्कूलों - सेक्टर 46 स्थित भवानी शंकर इंटर कॉलेज, सेक्टर 56 स्थित एस.डी. बाल विद्या मंदिर और नवजीवन स्कूल, भंगेल में मेडिटेशन व मोटिवेशनल सत्रों का आयोजन किया गया। सत्र में शिक्षकों को श्रेष्ठ शिक्षक बनने के गुणों से अवगत कराया गया और उन्हें उपहार व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

अभिनेता और लोकसभा सांसद श्री मनोज तिवारी जी से ब्रह्माकुमारिज़ के अतिरिक्त महासचिव, ब्र.कु. मृत्युंजय की स्नेहपूर्ण मुलाकात।

बीजेपी राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा जी को परमात्म स्मृति-चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. शिविका, ब्र.कु. भानू और ब्र.कु. सचिन।

सोनीपत (हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ विश्व कल्याण सरोवर में शिक्षक दिवस पर **'शिक्षक – संस्कार और संस्कृति के ध्वजवाहक'** कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी श्री नवीन गुलिया ने शिक्षकों को अभिनंदन पत्र व ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया। दीप प्रज्वलन के बाद ब्र.कु. लता ने शिक्षक की महत्ता, मूल्य-आधारित शिक्षा और सकारात्मक विचारों की शक्ति पर प्रेरक उद्बोधन दिया। ब्र.कु. सतीश ने कहा कि ए.आई. पढ़ा सकती है, लेकिन बच्चों के मन को समझकर संस्कार देना केवल शिक्षक ही कर सकता है।

कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष श्री बिजेन्दर मलिक ने शिक्षक और माता के संस्कारों की भूमिका पर प्रकाश डाला। स्वागत नृत्य, आध्यात्मिक संदेश और सम्मान समारोह के साथ 300 से अधिक शिक्षकों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। मंच संचालन ब्र.कु. शुभांगी ने किया तथा ब्र.कु. इन्दर पाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

1

2

3

4

5

1. **नरसिंहपुर (म.प्र.)।** सेवाकेंद्र में शिक्षक दिवस पर **शिक्षक सम्मान समारोह** आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्राचार्य भ्राता आर.बी. सिंह, भ्राता जी.एस. पटेल, आशा नेमा सहित कई अतिथियों ने भाग लिया। ब्र.कु. कुसुम ने शिक्षक को राष्ट्र निर्माता बताते हुए परमात्मा शिव से दिव्य शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान किया।
2. **संभजीनगर (महाराष्ट्र)।** सेवाकेंद्र में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को शॉल, पुस्तक, प्रसाद व ब्लेसिंग कार्ड देकर सम्मानित किया गया। ब्र.कु. शोभा ने शिक्षा में आध्यात्मिकता और मेडिटेशन की आवश्यकता पर बल दिया।
3. **प्रेम नगर, इंदौर (म.प्र)।** ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शिक्षक दिवस पर **"गुरु वंदन समारोह"** आयोजित हुआ, जिसमें शिक्षा में मूल्यों और आध्यात्मिकता की भूमिका पर विचार रखे गए। ब्र.कु. शशि ने शिक्षकों को परमात्मा से जुड़कर आत्म-जागरूक बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में शिक्षकों को शाल, श्रीफल व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।
4. **सूरत (गुजरात)।** सेवाकेंद्र में शिक्षक दिवस पर वराछा क्षेत्र के 100 से अधिक शिक्षकों को तिलक, पुष्प व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। ब्र.कु. रीमा ने शिक्षक की भूमिका को अमूल्य बताते हुए आध्यात्मिक मूल्यों की आवश्यकता पर बल दिया।
5. **सटई नगर (म.प्र)।** शिक्षक दिवस पर **'बुराइयों से मुक्त समाज में शिक्षकों की भूमिका'** विषय पर विशेष कार्यक्रम हुआ। प्राचार्य सुशील वर्मा, पूर्व शिक्षक बाला प्रसाद पटेल, विधायक प्रतिनिधि निरंकार पाठक व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। ब्र.कु. प्रीती ने शिक्षकों की समाज निर्माण में भूमिका पर विचार रखे।

माननीय वीआईपीज़ के साथ स्नेह और सद्भावपूर्ण मुलाकात

1

2

3

4

5

6

7

1. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक **डॉ. मोहन भागवत** का डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने स्मृति चिंह भेंटकर किया स्वागत।
2. दिल्ली की मुख्यमंत्री **श्रीमती रेखा गुप्ता जी** से ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई और ब्र.कु. शिविका बहन की स्नेहपूर्ण मुलाकात।
3. माननीय केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री **श्री अर्जुन राम मेघवाल जी** से ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई और ब्र.कु. शिविका बहन की स्नेहपूर्ण मुलाकात।
4. भारत सरकार की विधि सचिव **श्रीमती अंजू राठी राणा जी** से ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई और ब्र.कु. शिविका बहन की स्नेहपूर्ण मुलाकात।
5. माननीय केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग राज्य मंत्री **श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा जी** से डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई और ब्र.कु. शिविका बहन की स्नेहपूर्ण मुलाकात।
6. तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री **श्री अनमुला रेवंत रेड्डी जी** से ब्रह्माकुमारीज़ के प्रतिनिधि मंडल ने सौहार्दपूर्ण भेंट की। इस अवसर पर संस्थान के अतिरिक्त महासचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। शांति सरोवर, हैदराबाद की निदेशिका ब्र.कु. कुलदीप दीदी, ब्र.कु. वाम्शी भाई, ब्र.कु. अंजलि बहन तथा अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने भी आध्यात्मिक सेवाओं से संबंधित सार्थक विचार-विमर्श किया।
7. राज्यसभा सांसद और हेटेरो ग्रुप के चेयरमैन **डॉ. बीपीएस रेड्डी** से ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई और ब्र.कु. शिविका बहन की स्नेहपूर्ण मुलाकात।

1

2

1. श्रीनगर (उत्तराखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ श्रीनगर में **'विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का अभाव - शिक्षा की सबसे बड़ी चुनौती'** विषय पर राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, ब्र.कु. मेहरचंद, ब्र.कु. ममता, प्रो. ब्र.कु. मुकेश आदि उपस्थित रहे।

2. संबलपुर (ओड़िशा)। ब्रह्माकुमारीज़ पावन सरोवर, संबलपुर में **'विश्व एकता और विश्वास के लिए समग्र शिक्षा'** विषय पर राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें ब्र.कु. पार्वती, ब्र.कु. सुमन और प्रो. ब्र.कु. मुकेश मुख्य वक्ता रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अमृत फाल्गुनी महान्ती (IIM, संबलपुर) एवं प्रो. सुशांत कुमार दास (कुलपति, गंगाधर विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे।

Education Wing HQs. Office:
Dr. B.K. Mruthyunjaya
Chairman, Education Wing, RERF
Brahma Kumaris, Education Wing Office
3rd Floor, Anand Bhawan, Shantivan
Abu Road - 307 510 (Raj.)
+91 94140-03961 / +91 94263-44040
educationwing@bkivv.org
www.educationwing.com

To,